विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग नवम विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता: 13-04-2021 (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

- श्लोक 3.
- **अन्वय** -अये वाणि ! ललित पल्लवे पादपे पुष्पपुञ्जे मञ्जुकुञ्जे मलय मारुतोच्चुम्बिते स्वन्तीम् मलिनां अलीनां ततिं प्रेक्ष्य नवीनां वीणां वादय ।
- **शब्दार्थ** अयि –हे ,वाणि –सरस्वती ,पादपे -पौधे पर ,पल्लवे -पत्ते पर ,पुष्पुञ्जे -फूलों के समूह पर ,मलिनां -काले रंग वाले ,ततिं -पंक्तिम्
- **सरलार्थ** (हे वाणी !) सुन्दर पत्तों वाले पौधे पर लगे हुए फूलों गुच्छों पर तथा सुंदर लताओं से आच्छादित स्थान बगीचों में चन्दन के वृक्ष की सुगन्धित हवा से स्पर्श किए गए गुंजन करते हुए भौंरों की काले रंग की पंक्ति को देखकर तुम नई वीणा को बजाओ।